निज पर शासन फिर अनुशासन

प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़,

पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान

निज पर शासन आत्मानुशासन है और अनुशासन परानुशासन है। जब तक आत्मानुशासन नहीं प्राप्त होता तब तक परानुशासन की आवश्यकता होती है। आत्मानुशासन के प्राप्त हो जाने पर परानुशासन की आवश्यकता नहीं रहती। आत्मानुशासन स्वशासन है। दूसरों पर शासन करने का मतलब है दूसरों पर नियंत्रण्पा करना। अपने पर नियंत्रण करने के बाद ही दूसरों को नियंत्रित किया जा सकता है। परिवार का प्रमुख, समाज का प्रमुख, राज्य का प्रमुख और राष्ट्र का प्रमुख होने के लिए निज पर शासन फिर अनुशासन आवश्यक है। अनुशासन का अर्थ है अपने पर नियंत्रण रखना, तन, मन पर नियंत्रण करना, स्व पर नियंत्रण करना अनुशासन है। अनुशासन कुछ प्राकृतिक नियमों से जुड़ा हुआ है। अनुशासन में मर्यादा का पालन होता है।

पंतजलि के अष्टांग योग में पहला सूत्र अनुशासन का है। मन रूपी घोड़ा बहुत तेज दौड़ता है। तप रूपी डोर से इसे अनुशासित किया जा सकता है। प्रकृति हमें अनुशासन की शिक्षा देती है। सूर्य और चन्द्रमा का समय से निकलना और अस्त होना, दिन–रात का नियमित होना, षड् ऋतुओं की व्यवस्था, नदियों की कलकल ध्वनि आत्मानुशासन की शिक्षा देते हैं। प्रकृति कभी अनुशासन को नहीं तोड़ती।

मानव को भी अनुशासन में रहकर जीवन जीना चाहिए। अनुशासन जीवन के हर क्षेत्र से सम्बन्धित हैं। सड़क पर चलते समय स्थान–स्थान पर कैसे चलें यह निर्देश लिखा रहता है। यह हमें अनुशासन की शिक्षा देता है। वहां यदि सावधानी हटी की दुर्घटना तुरन्त घट जाएगी। अनुशासन भंग होते ही प्राण का खतरा सामने उपस्थित रहता है। मानव जीवन में अनुशासन का बहुत अधिक महत्व है। अनुशासन के द्वारा मानव का आत्मविकास होता है। जब तक मन में आत्मविश्वास नहीं रहता, तब तक सफलता नहीं मिलती। आत्मविश्वास ही वह

संकल्प है, जो हमें आगे बढ़ने में सहायता देता है। बिना अनुशासन, बिना नियम, बिना संयम सफलता मुश्किल है।

सफल जीवन जीने के लिए अनुशासन बहुत जरूरी है। अनुशासन की शिक्षा परिवार से शुरू होती है। बच्चा अपने परिवार में सबको नियमित रूप से कार्य करते हुए देखता है, तो उसमें भी यह अन्तःप्रेरणा जागृत होती है कि हमें भी ऐसा करना चाहिए। धीरे–धीरे बालक में स्वतः ही यह अभ्यास हो जाता है कि हमें समय से उठना, समय से सोना, समय से पढ़ना, समय से दैनिक क्रिया–कलाप करना और समय से विद्यालय जाना चाहिए।

निज पर शासन फिर अनुशासन यह अनुशासन का सूत्र है। इसका अर्थ है पहले खुद पर नियन्त्रण रखिये फिर दूसरों को नियन्त्रण रखने का गुण सिखाइये। अतः अनुशासन स्वयं से ही प्रारम्भ होता है। अनुशासन किसी भी कार्य को ठीक ढंग से करने का एक तरीका है। इसके लिए शरीर और मन पर नियन्त्रण जरूरी होता है। कुछ लोगों के पास स्वअनुशासन प्राकृतिक सम्पत्ति के रूप में होता है, जबकि कुछ लोगों को इसे अपने अन्दर विकसित करना पड़ता है। अनुशासन में वह प्रेरणा निहित है कि मानव भावनाओं को नियन्त्रित कर सकता है और किसी भी कठिनाई को पार करके अपने मंजिल को प्राप्त कर सकता है। बिना अनुशासन के जीवन अधूरा और असफल है।

अनुशासन की आवश्यकता पग–पग पर पड़ती है। अगर हम अनुशासन का पालन न करें तो जीवन अव्यवस्थित हो जायेगा। अनुशासन की सबसे अधिक शिक्षा प्रकृति देती है। सूर्य का प्रातःकाल उदित होना और सांयकाल अस्त हो जाना, रात–दिन का क्रमशः होना, ऋतुओं का आना और जाना ये सभी क्रियाएं प्राकृतिक रूप से होती रहती हैं। इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता, क्योंकि ये प्रकृति के अधीन है। प्रकृति के इस अनुशासन से मानव को शिक्षा लेनी चाहिए।

देश, समाज, समुदाय आदि सबकुछ बिना अनुशासन के असंगठित हो जायेगा। अनुशासन एक स्वभाव है, जो प्रकृति द्वारा प्रदत्त सभी चीजों में उपस्थित है। अनुशासित व्यक्ति आज्ञाकारी होता है। पुलिस, अर्द्धसैनिक बल, सेना आदि का कार्य इतना अनुशासित रहता है कि उनसे

राष्ट्र को प्रेरणा लेनी चाहिए। बड़े अधिकारियों का सम्मान करना और साथ वालों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करने की शिक्षा उनके आचरण से मनुष्य को लेनी चाहिए। अनुशासन के बिना जीवन निरर्थक हो जाता है। हमारे जीवन के कई पड़ावों पर बहुत से रास्तों पर अनुशासन की जरूरत पड़ती है। इसलिए बचपन से ही अनुशासन का अभ्यास करना अच्छा होता है।

अनुशासन का सभी के लिए अलग–अलग अर्थ होता है। विद्यार्थी के लिए इसका अर्थ है सही समय पर एकाग्रता के साथ पढ़ना और विद्यालय के द्वारा दिये गये कार्य को पूरा करना। किसान के लिए अनुशासन का अर्थ है सही समय पर खेत की बुआई, सिंचाई और कटाई करके अधिक अन्न उत्पन्न करना। दुकानदार के लिए अनुशासन का अर्थ है ईमानदारी के साथ वस्तु विपड़न करना। शिक्षक के लिए अनुशासन का कार्य है सही समय पर विद्यालय जाकर विद्यार्थी को शिक्षा देकर उसका जीवन निर्माण करना। अतः निज पर शासन फिर अनुशासन जीवन का मूल मंत्र है।